

DPN 5927

Title : बु ध स श्लोक

BUDHASA ŚLOKA

Run. No. 6618

Cat. No.

Micro. No.

Subject स्तुति Hymn

Religion : Hindu / Bauddha ✓

Language : Skt. / New. / Nep. / Skt. - New. / Maith. - New. / New. - Nep. /

Size in cms. 23.7 × 10

Folios 4
(9-12)

Lines (in a page) 6

Compl. / Incompl. ✓

Chapt. / act /

Author / translator

Scribe / donor

Date: NS / SS / VS / KS

Ruler / place

Script : New. / Dev. / Bhuj. / Ran. /

Illus. :

Material : palmleaf / paper / thyasaphu /

Condition : fine / damaged by worms, rats, water /

Beginning, colophon, post-colophon :

श्लोक

स्का २ गृ २

॥ ३२ ॥ यास्तीनाम्पानदानादकृगधृतमृदंसिद्विभक्तवकानांयस्मिन्नात्विहीननव
तुहविमलायनकलापधनं । दयाकासोकनाथिः विमममननिवः सुविनयैकना
सोऽयं जीवात्तुर्भिर्नस्वकिचनसत्कमनः पादपद्मः ॥ ३३ ॥ ददडासावसा
अस्तिनसुकिविदिगीदस्तिनास्तिनिरीसासिद्धनाहूतिनासाहूतिनयिमरुतावृदितां
घातमसिन्नः कृगयूसादिर्गसाहूतिविदिनवृहडाहिः स्वाग्निदादवापासावादिनी
साहूतिविदिनदिनापद्मसुताधिशावधः ॥ ३४ ॥ वद्वान्कावमोत्तनविकनकमस

पुः धः मः

गान्धिरुहं ग माता वाचा सा निर्विवा नान वयडु'वन'सा सार्थिनी संपदं वध सत्व गाले
क कार्यस्त्रि नवन सविना वस्त्रिणि स्मपनार्थ विन्यसा भृत्स्वले वप वृन कन वया स्त्रुत
कासाय मर्थ ॥ ३८ ॥ नाजी वानकः पलाभा वलिनूचि नमृ इर्वज सा ना विसा विकु
शदे विप्रम कपुदन वनिवदस्या रुवरु इह मि । नका नागा यभा नन मिभय वन
वल्का वन गावलाया'स सा ना कानि धर्व ४ मृग न मगिरु गा पास्तु त्वना सु पादधा
३९ ॥ उभा नई मिता मा नरु नचि नवय वाप स नाप्य सीना नाना सा सा विसा भी सा

रुनक न निदि गानन्द कन्धात्क नपि । शाडि धु विषु कीर्तु य निमलि निपू नष्टया निजान
य आ गयी निर्य गानि माला नम गजिन रुत ध्मा द्वि प साव गाद ४॥ ३७ ॥ ह्या इह न
ह विधु नि निवद सत त्क मनां आ स ना वा न क काया न विक्षा नू खन खद मना रुमि
का र्या क ना सध रुम्य इह रु वे निदि प न व स च त ली व ना ला क नी या ला क म स्या पि
सिरे ४ कमल रुवज टा नव्य गयी जि वाय ॥ ३८ ॥ शा की या न यन का स पू न पि
न स पू र्ण धन दि सं त्वाना गे सा कानन्द ना पि पु वन यन पू न व्या पि र्णा प रु ४॥

मं

लावल्यासंपत्ति फायति गयमधुना वेधना धर्तिना रथयादा धारुः क्रिया दाजि नन विवि
 क सन्मासिका लघनत्वा ॥ ३८ ॥ नाडी वेना जना जा रुनि नचिद विरुर्त्ता विरुः ४ यानि
 जार्गेः कृत्तुमानन्द मिद्वरु वसु विसने र्वास वा शा समाने धयी तः पाभी यत्ता ले नि
 ति विवध जनः पाशू पूष्ठा विवध य गान् प्राप्त का व्यायि तम गत सवः पाशु पादा कुया १०
 ८ ल ४॥ ४० ॥ शान्ती सवि का ल न नि म कृ क न ख ष्म र्वा ना क ना ध स र्वः सा र्वः ५
 य र्वेध विवध न य ना य न कः पा न का नी । य स्या सा मा न्यः सा रा विषय म नि ग य द

धृमासीदनीलानि र्वादि यत्ता कः स रु य नि च न ल्वा वृद्धिं वा कि मो स ॥ ४१ ॥ सं ग्य क्त्वं
 वृत्तान् स्फुट वि क ट उ ण प ञ्ज क्त्वं ज्ञान् मूर्त्तः सं सा ना म्ना धि म क्त्वं कु न न ज न ना म दि नी क
 क न स्य । ह या रु डाय पा दः क म त ध नः नि न सा वि नः सि द्ध सा र्थ ध र्य ना ध न क का नि शु व
 द न ल म सा धा गु म नि र्म ना व धा ४२ ॥ सं सा ना ध पु व न्ध गु म स क ल ज ग न्ना नि सं ग्ग नि
 रु तु का य स्य क्त्वा रु ल स्य स्फु ट न व क्त्वा मा रु ति गा र्वा र ना व धा ना क मा रु ति म स्य पु न न
 स न ऊ ने ४ मो ति मा त्ता ल वा ल मू ल सं पा दि ना व्या न्ना नि क ल स र ग त्व क्त्वा मा र्वा वि स क था ४३ ॥

वः धः सुः

संभूतं कृणुतां पवनं निपवत्तां नृत्तनस्कृतं तां तां त्रिधा त्रासा विनासी वसविजयिनसमो
सिलीलातया वध पाददयात्यादु ल्यामल कमलत गली करुता कुला रुच्यासां लानत्यता
पात्तसदसिपठतात्त फसंगी तिली तथा ४४ ॥ जेना कथ्येन की वयत क विवधू संप
मा लानदनु कृष्टकृणादिद दृष्टवत्त दखित जगत्या तन दक गार्कथ इ धी नान्दप वगा कुन ॥
नन कपच दान गयग लावा रुने सा कन पादा तव ऊत धिसमृत्त घने कप्र वा सु ॥ ४५ ॥
वृत्ता नृत्त प्रका नः सघदि वि घटिता वाय वि शान व शा नौ गी ग ना व गी ग कृ ग न स न वने

ने वरावे नरा वि । ॐ ह्यनरुमा नगकु सदसिन सकि नाय ग पूजा स वाति रु कुरु ता वा गु ना
ति रु स ऊ य नि रु नि ग रु फि नू प रु स ना जी ॥ ४६ ॥ उ दाम स्त्रम वाम क म विषम मि न न्मा न
मान पु मा थी म थ्मा इ न्मा धि मा दा रु म म मि ग म दा सो नि वा या म ती र्म । श्री म नि रु सी म रु मा
स म म दि म म दा का म ध मा ति रु मो स त्वि प्र म पु का म पु धि म मृ इ म ना नि वि ना म गु मा व श
॥ ४७ ॥ सा न प्र का न धा ना व न न वि व न ल्मा व न्ध न कु न दू न ई नै स्का नां मि शो द नै च क
न ग नि का का न धा नि ल्ध नी र्मा का ना ना द नै य रु स व न म ग न न गी का न धा का

नि २

वा ना २

ॐ नमः

कन्यात्म्या ग० सत्त्वान कानी गुन न व क न ल ष पा ठु सा क न्व ना व ॥ ५८ ॥ कल्या नात्ता
सिद्ध ता व स द नि तै व स्ता स्ता त क स्ता त मा ता वा वा स न क ज्ञा ता कू स क लि त ऊ स वा
वि श्व वृ त्त त न क ॥ आ र्त्त व य स्य नी ता त्य त वि म ल म स्ता कू टि मा सी न सी ता मा सी य न स
धी य ४ स उ य नि क म सी या त ना या त म स्तु ॥ ५९ ॥ धू मो धा व न्ध व न्धी कृ त वि धू न वि धू १२
उ धू नि र्व न्ध क मा नी ना न्ध ध वा धा व ध वि वृ ध व धू धी न ना न धू र्थ ४ य न्ना मा धी नि
ध ना ध न वि धू नि कृ ता म नि धू म ध उ पि ष ध र्त्त सा धू य नि न व धि स वि धि र्त्त